17-06-2020

चीनी निर्यात करने का मौका मिल सकता

▶ लॉक डाउन की वजह से शुगर इंडस्ट्री पर संकट के बादल

▶ दुनिया की शुगर इंडस्ट्री में प्रोडक्शन गिरने की संभावना

बीटीएनएन

कोरोनावायरस की वजह से दुनिया की शुगर इंडस्ट्री में प्रोडक्शन गिरने की प्रबल संभावनाएं एक्सपर्ट ने जताई है। इन सब के बावजूद भी भारत की शुगर इंडस्ट्री को एक्सपोर्ट करने के अवसर मिलने की संभावना है। एक्सपर्ट ने शुगर इंडस्ट्री को सजेशन दिए हैं कि वह चीनी के अलावा अदर प्रोडक्ट पर फोकस करें । शुगर इंडस्ट्री ने विशेषज्ञों के सुझाव पर अमल किया तो उन्हें आर्थिक क्षति नहीं उठानी पड़ेगी। यह विचार एक्सपर्ट ने नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट में आयोजित ऑनलाइन वेबीनार में व्यक्त किए।

नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने ने शुगर मार्केट और चीनी खपत टॉपिक पर आयोजित वेबीनार में कहा कि कोरोनावायरस की वजह से थाईलैंड में चीनी का उत्पादन 40परसेंट गिरा है। थाईलैंड में कम हुए चीनी प्रोडक्शन का फायदा इंडियन शुगर इंडस्ट्रीज उठा सकती है। इंडियन शुगर इंडस्ट्री सऊदी अरब, मिश्र और इंडोनेशिया में शुगर एक्सपोर्ट कर सकते हैं ।जहां पर अच्छी खासी खपत हो सकती है। कोल्ड ड्रिंक के अलावा आइसक्रीम की खपत भी कोरोना काल में काफी कम हो गई है। जिसकी वजह से शुगर इंडस्ट्री का मार्केट गिर रहा है। शुगर इंडस्ट्री को सौंठ वाला गुड, दालचीनी वाला, गुड अदरक वाला गुण बनाकर मार्केट में उतारना चाहिए इसके अलावा शुगर केन का जूस डिफरेंट फ्लेवर में बनाकर बाजार में उतारे जिससे लोगों की सेहत अच्छी होगी।

इंडिया में शुगर प्रोडक्शन ज्यादा होने की संभावना

इंटरनेशनल शुगर ऑर्गेनाइजेशन व यूनाइटेड किंगडम के इकोनॉमिस्ट पीटर थ्री क्लार्क ने वेबीनार ने कहा कि इस बार कोरोनावायरस की वजह से 5. 9 मिलियन टन शुगर प्रोडक्शन कम होने की संभावना

है ।बीते तीन महीने में दुनिया में 2.1 मिलियन टन शुगर की खपत में कमी आई है। हालांकि क्लार्क ने यह भी कहा कि इंडिया में इस बार भी शुगर प्रोडक्शन नॉर्मल से अधिक होने की संभावना है। शुगर में कमी की सबसे बड़ी वजह दुनिया के सभी रेस्टोरेंट्स,स्वीट शॉप, कोल्डड्रिंक इंडस्ट्री, आइसक्रीम इंडस्ट्री में लॉक डाउन होना है। वेबीनार में ब्राजील सिंगापुर थाईलैंड यूके समेत दुनिया के 200 देशों के एक्सपर्ट ने वेबीनार में शिरकत की।

17-06-2020

वैश्विक स्तर पर दस फीसदी चीनी खपत में गिरावट

कानपुर, 16 जून। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर की ओर कोविड-19 के दौरान शर्करा बाजार एवं शर्करा की खपत विषय पर एक वेबिनार (ऑनलाइन सेमिनार) का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि आगामी सत्र 2020-21 में अधिक शर्करा उत्पादन तथा लॉकडाउन के कारणों से शर्करा के खपत में हुई कमी के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में भारतीय शर्करा उद्योग की आर्थिक स्थिरता पर चिंता व्यक्त की। चूंकि लाकडाउन के कारण सामाजिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने एवं रेस्त्रां आदि को बंद कर दिये गये। जिस कारण मिठाइयां, आइसक्रीम एवं पेय पदार्थों की खपत में काफी कमी आई है। ऐसी स्थिति में चीनी मिलों को हल्की, दालचीनी, अदरक, दालचीनी एवं तुलसीयुक्त गुड़, गन्ना के रस को रोग प्रतिरोधी बोतलबंद पेय प्राकृतिक पेय के रूप में तैयार करना चाहिये। वहीं निजलिंगप्पा शुगर संस्थान, बेलगावी के निदेशक आर.वी. खाण्डगावे ने कोविंड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों में शर्करा के खपत में असंतुलन की सभावना पर कहाकि वैश्विक स्तर पर 5 से 10 प्रतिशत चीनी खपत कम हो सकती है। उन्होंने कहाकि आज के समय शर्करा के प्रसंस्करण के दौरान सुरक्षित अवस्थाओं तथा उपभोक्ता के लिए पैकिंग की अधिक आवश्यकता है।

कोविड-19 महामारी का असर

प्रो. नरेन्द्र मोहन व पीटर डी. क्लार्क

● वेबिनार में श्रीलंका, केन्या, ब्राजील आदि से शामिल हुए शर्करा के प्रतिनिधि

वेबिनार को संबोधित करते हुए इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाइजेशन, लंदन के वरिष्ठ अर्थशास्त्री पीटर डी. क्लार्क ने वैश्विक शर्करा मांग आपूर्ति परिदृश्य में चीनी सत्र 2020-21 में वैश्विक स्तर 6.9 मिलियन टन शर्करा उत्पादन की कमी का संकेत दिया। उन्होंने बताया कि कोविंड-19 के कारणों से शर्करा में वैश्विक स्तर पर कमी आई है। शर्करा सत्र 2019-20 में मई 2020 तक चीनी खपत में लगभग 2.1 मिलियन टन की गिरावट आई है और भविष्य में खपत की अनिश्चिता है। कच्चे तेल में गिरावट के कारण ब्राजील इस बार इथेनाल की वजाय गन्ने से शर्करा उत्पादन करेगा। एशिया में मुख्य निर्यातकर्ता देश थाईलैण्ड की शर्करा उत्पादकता में 40 फीसद की कमी के कारण से मिस्त्र, सऊदी अरब एवं इंडोनेशिया जैसे मुख्य आयातकों को एभारत चीनी निर्यात करने करने का लाभ उठा सकता है। सर्वेक्षण के अनुसार मधुमेह, दंतरोग, मोटापा आदि का एक मात्र कारण शर्करा का सेवा नहीं है। इनसे बचने के लिए व्यक्ति को नियमित जीवन शैली बदलाव व व्यायाम करना चाहिये। व्यक्ति को कैलोरी ग्रहण करने और उसकी खपत में संतुलन लाया जा सके। इस वेबिनार में भारत, श्रीलंका, केन्या, इटली, सिंगापूर, ब्राजील, इन्डोनेशिया के 2 00 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

थाईलैंड में कम चीनी उत्पादन का लाभ ले सकता है भारत

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में कोविड-19 के दौरान शर्करा बाजार व शर्करा की खपत विषय पर इंटरनेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया। भारत के अलावा, श्रीलंका, केन्या, इटली, सिंगापुर, ब्राजील व इंडोनेशिया के करीब 200 विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि इस कोरोना काल में चीनी की खपत काफी कम हुई है। चीनी मिलों को इस कोरोना काल में हल्दी, दालचीनी, अदरक व तुलसी युक्त गुड़ व गन्ने के रस को बोतलबंद प्राकृतिक पेय के रूप में तैयार करना चाहिए। लंदन के वरिष्ठ अर्थशास्त्री पीटर डी क्लार्क ने कहा कि इस समय चीनी की खपत पूरी दुनिया में कम हुई है। सबसे अधिक निर्यात करने वाले थाईलैंड में इस वर्ष चीनी का उत्पादन 40 फीसदी कम हुआ है। इससे भारत मिस्त्र, सउदी अरब व इंडोनेशिया को चीनी निर्यात कर सकता है। कच्चे तेल की कीमत गिरने से ब्राजील भी इस बार इथेनॉल बनाने के बजाए चीनी बनाने पर अधिक जोर देगा।